Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

13 January, 2023
Friday
Page No.1

BMU IN NEWS

BABA MASTNATH UNIVERSITY

अमर उजाला

जयंती पर स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों के बारे में अवगत कराया

कार्यक्रम में मौजूद डॉ. अंजना राव व अन्य। फेसबुक

संवाद न्यूज एजेंसी

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विवि की प्रति कुलाधिपति डॉ. अंजना राव, कुलपति प्रो. आरएस यादव सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया।

डॉ. अंजना राव ने स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों बारे में अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि वह शिक्षा व्यर्थ है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा करने योग्य नहीं बनाती। उत्तम शिक्षा ही हमारे कौशल विकास में सहायक है जो हमें सभी क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करा सकती है। उन्होंने राष्ट्र को जीवंत देवता मानते हुए कहा था कि राष्ट्र सेवा ही ईश्वर भक्ति है। सही मायनों में स्वामी विवेकानंद युग दृष्टा थे।

कुलपति प्रो. आरएस यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसलिए हमें जरूरतमंद मनुष्यों की सेवा और सहायता करनी चाहिए। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि विद्यालय और विवि आध्यात्मिक विकास में सहायक होने चाहिए। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. मनोज कुमार वर्मा, अधिष्ठाता एकेडमिक डॉ. नवीन कपिल, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मुकेश सिंगला, प्रो. सुभाष चंद्र गुप्ता, डॉ. देवेंद्र वशिष्ठ, डॉ. नवदीप बिसला, जसवीर अहलावत मौजूद रहे।

रोहतक केसरी

स्वामी विवेकानन्द एक युग दृष्टा थे : डा.अंजना राव

रोहतक 12 जनवरी (स.ह.) : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के प्रांगण में आज स्वामी विवेकानंद की जयंती पर विश्वविद्यालय की प्रति कुलाधिपति डॉ.अंजना राव, कुलपति प्रो. आर.एस. यादव सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों ने स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर डॉ.अंजना राव ने स्वामी जी के सिद्धांतों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि वह शिक्षा व्यर्थ है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा करने योग्य नहीं बनाती है।

उत्तम शिक्षा ही हमारे कौशल विकास में सहायक है जो हमें सभी क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करा सकती है।

उन्होंने राष्ट्र को जीवंत देवता मानते हुए कहा था कि राष्ट्र सेवा ही ईश्वर भक्ति है। सही मायनों में स्वामी विवेकानंद एक युग दृष्टा थे।

इसी संदर्भ में कुलपति प्रो.आर एस यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि नर सेवा ही नारायण सेवा है इसलिए हमें जरूरतमंद मनुष्यों की सेवा और सहायता करनी चाहिए जिससे समाज और राष्ट्र का कल्याण हो सके।

उन्होंने यह भी बताया कि स्वामी जी का मानना था कि हमारे विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में एवं आध्यात्मिक विकास में सहायक हो। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. मनोज कुमार वर्मा,अधिष्ठाता एकेडमिक डॉ. नवीन कपिल, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मुकेश सिंगला, डीन ह्यूमैनिटीज डॉ. बी.एम.यादव, प्रो.सुभाष चन्द्र गुप्ता, आइक्यूएसी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. देवेंद्र वशिष्ठ, हॉस्पिटल मैनेजर डॉ.नवदीप बिसला और जसवीर अहलावत आदि मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद जी को पुष्प अर्पित करते विश्वविद्यालय की कुलाधिपति व अन्य।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

चारों से प्रेरणा लें युवा: कुलपति

स्वामी विवेकानंद एक युग दृष्टा थे: डॉ.अंजना राव

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई। इस दौरान प्रति कुलाधिपति डॉ अंजना राव, कुलपति प्रो आरएस यादव सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों ने स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ अंजना राव ने स्वामी के सिद्धांतों के बारे मे अवगत कराते हुए कहा कि वह शिक्षा व्यर्थ है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा करने योग्य नहीं बनाती है। उत्तम शिक्षा ही हमारे कौशल विकास मे सहायक है जो हमें सभी क्षेत्रों मे रोजगार प्रदान करा सकती है। उन्होंने राष्ट्र को जीवंत देवता मानते हुए कहा था कि राष्ट्र सेवा ही ईश्वर भक्ति है। सही मायनों मे स्वामी युग दृष्टा थे। कुलपति प्रो. आरएस यादव ने कहा कि स्वामी का मानना था कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसलिए हमें जरूरतमंद मनुष्यों की सेवा और सहायता करनी चाहिए। इस मौके पर कुलसचिव डॉ मनोज कुमार वर्मा, अधिष्ठाता एकेडमिक डॉ नवीन कपिल, परीक्षा नियंत्रक प्रो मुकेश सिंगला, डीन ह्यूमैनिटीज डॉ बीएम यादव, प्रो सुभाष चंद्र गुप्ता, आइक्यूएसी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ देवेंद्र वशिष्ठ

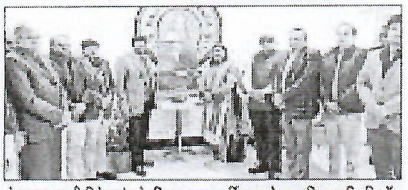

रोहतक। स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए प्रति कुलाधिपति डॉ. अंजना राव व कुलपति प्रो. आरएस यादव।

हॉस्पिटल मैनेजर डॉ नवदीप बिसला, जसवीर अहलावत मौजूद रहे।

दैनिक उजाला आज तक

स्वामी विवेकानन्द एक युग दृष्टा थे : डॉ.अंजना राव

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के प्रांगण में आज स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर विश्वविद्यालय की प्रति कुलाधिपति डॉ.अंजना राव, कुलपति प्रो. आर.एस. यादव सहित विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारियों ने स्वामी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर डॉ.अंजना राव ने स्वामी स्वामी जी के सिद्धांतों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि वह शिक्षा व्यर्थ है जो मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा करने योग्य नहीं बनाती है। उत्तम शिक्षा ही हमारे कौशल विकास में सहायक है जो हमें सभी क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करा सकती है। उन्होंने राष्ट्र को जीवंत देवता मानते हुए कहा था कि राष्ट्र सेवा ही ईश्वर भक्ति है। सही मायनों में स्वामी जी युग दृष्टा थे।

इसी संदर्भ में कुलपति प्रो.आर एस यादव ने कहा कि स्वामी जी का मानना था कि नर सेवा ही नारायण सेवा है इसलिए हमें जरूरतमंद मनुष्यों की सेवा और सहायता करनी चाहिए जिससे समाज और राष्ट्र का कल्याण हो सके।

उन्होंने यह भी बताया कि स्वामी जी का मानना था कि हमारे विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में एवं आध्यात्मिक विकास में सहायक हो।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. मनोज कुमार वर्मा,अधिष्ठाता एकेडमिक डॉ . नवीन कपिल, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मुकेश सिंगला, डीन ह्यूमैनिटीज डॉ. बी.एम.यादव,